Dainik Bhaskar (Indore), 26th March 2023, Front Page – 04

नई दोस्ती • दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक स्टाफ के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम भी

जर्मनी की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से IIT इंदौर का अनुबंध

विद्यार्थियों को शोध और प्रशिक्षण में मिलेगा फायदा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

विदेशी विद्यालयों के साथ हाथ मिलाने की कड़ी में हाल ही में 13 मार्च को जर्मनी के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय जूलियस-मैक्समिलियंस यूनिवर्सिटी वुर्सबर्ग के साथ आईआईटी इंदौर का एक समझौता हुआ। इस अनुबंध के तहत दोनों संस्थाओं द्वारा साथ में मिलकर विद्यार्थियों का प्रशिक्षण करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कोर्स चलाए जाएंगे। साथ ही छात्रों, शैक्षणिक स्टाफ एवं अन्य स्टाफ के लिए भी एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। इस समझौते के तहत शोध के क्षेत्र में भी दोनों संस्थाएं साथ आकर अपने संसाधनों को एकत्रित करेंगी। इस समझौता ज्ञापन के तहत दोनों संस्थाओं द्वारा सालभर में कॉन्फ्रेंस, सेमिनार आदि जैसे आयोजन भी किए जाएंगे। इसका उद्देश्य साथ में मिलकर रिसर्च करना और अलग-अलग प्रकार के प्रशिक्षण गतिविधियों को आयोजित करना है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी और जूलियस-मैक्समिलियंस यूनिवर्सिटी वुर्सबर्ग के अध्यक्ष (डॉ.) पॉल पाउली ने उस जर्मनी में किए।

जेएमयू में 14 नोबेल पुरस्कार विजेता कर चुके हैं शोध

इंदौर से इसके लिए रिसर्च डेवलपमेंट के डीन प्रोफेसर आइए पलानी, प्रो देवेंद्र देशमुख, प्रो अविनाश सोनवने, और डीन इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो रघुनाथ साहू का दल जर्मनी गया था। जूलियस-मैक्समिलियंस यूनिवर्सिटी (जेएमयू) वुर्सबर्ग जर्मनी की सबसे प्राचीन यूनिवर्सिटी में से एक है, जिसमें 28 हजार छात्र पढ़ते हैं। 14 नोबेल पुरस्कार विजेताओं और कई प्रतिष्ठित विद्वानों और वैज्ञानिकों ने जेएमयू में शोध किया और पढ़ाया है। प्रोफेसर विल्हेम कॉनराड रॉन्टगन को जेएमयू से एक्स-रे की खोज के लिए 1901 में फिजिक्स में प्रथम नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।